Appendix - A

एम.पी.ए. (गायन/स्वर वाद्य) वार्षिक पाठ्यक्रम– स्वाध्यायी परीक्षार्थियों हेतु

एम. पी. ए. प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र	पाठ्यक्रम	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
प्रथम	भारतीय संगीत का इतिहास एवं शास्त्र	100	40
द्वितीय	निबंध, संगीत रचना एवं राग विवरण	100	40
तृतीय	संगीतशास्त्र के क्रियात्मक सिद्धान्त	100	40
चतुर्थ	प्रायोगिक – मौखिक	300	120
पंचम	प्रायोगिक – मंच प्रदर्शन	200	80
		800	

एम. पी. ए. अंतिम वर्ष

प्रश्न पत्र	पाठ्यक्रम	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
प्रथम	भारतीय संगीत का इतिहास एवं शास्त्र	100	40
द्वितीय	निबंध, संगीत रचना एवं राग विवरण	100	40
तृतीय	संगीतशास्त्र के क्रियात्मक सिद्धान्त	100	40
चतुर्थ	प्रायोगिक – मौखिक	300	120
पंचम	प्रायोगिक – मंच प्रदर्शन	200	80
		800	

	इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय,खैरागढ़(छ.ग.) **गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय** **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम** **एम.पी.ए. (स्वाध्यायी)**	सत्र 2021-22 से लागू
समय - 3 घण्टे	प्रथम वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र भारतीय संगीत का इतिहास एवं शास्त्र	पूर्णांक - 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक -40

इकाई 1–संगीत की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मान्यताओं, भारतीय एवं पाश्चात्य मतों का परिचय। प्राग्वैदिक, वैदिक एवं शिक्षा ग्रन्थ, पौराणिक ग्रन्थों, रामायण, महाभारत, मौर्य व गुप्त काल के भारतीय संगीत का परिचय।

इकाई 2–दत्तिलम, नाट्यशास्त्र, बृहद्देशी, भरतभाष्यम्, संगीतरत्नाकर एवं संगीतराज ग्रन्थों का सामान्य परिचय व संगीत से संबंधित अध्यायों की विषय सामग्री की जानकारी।

इकाई 3–संगीत की दो धाराओं गांधर्व एवं गान तथा मार्ग एवं देशी का अध्ययन। ग्राम, मूर्च्छना, जाति और काकु, कुतप तथा वृन्द का विस्तृत अध्ययन। वर्तमान में प्रचलित किसी एक थाट में मूर्च्छना के आधार पर अन्य थाटों की उत्पत्ति।

इकाई 4–भारतीय संगीत में वाद्यों का वर्गीकरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन व वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। मध्यकालीन ग्रन्थों के आधार पर एकतंत्री, आलापनी, किन्नरी, त्रितंत्री, पिनाकी, वंश एवं मधुकरी वाद्यों का अध्ययन।

इकाई 5–कृष्णानंद व्यास, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, राजा नवाब अली, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ, पं. निखिल बेनर्जी, पं, रामचतुर मलिक, उस्ताद ज़िया मोईनुद्दीन डागर, उस्ताद बहराम ख़ाँ, पं. एस. एन. रातंजनकर, पं. भीमसेन जोशी एवं पं. रविशंकर का जीवन परिचय तथा उनका सांगीतिक योगदान।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

- भारतीय संगीत का इतिहास : डॉ. उमेश जोशी
- भारतीय संगीत का इतिहास : श्री शरतचन्द्र परांजपे
- संगीत जिज्ञासा एवं समाधान : डॉ. तेजसिंह टांक
- भारतीय संगीतशास्त्र : आचार्य तुलसीराम देवांगन
- भारतीय संगीत वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र

समय - 3 घण्टे	**प्रथम वर्ष** **द्वितीय प्रश्न पत्र** **निबन्ध, सांगीतिक रचना एवं राग विवरण**	पूर्णांक - 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक -40

इकाई 1–न्यूनतम 600 शब्दों में संगीत विषयक निबन्ध। अंक– 25

इकाई 2–दिये गये पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग व ताल में निबद्ध करना। अंक –20

इकाई 3–पाठ्यक्रम के रागों में उच्चस्तरीय आलाप लेखन। अंक–10

इकाई 4–तान एवं तिहाई रचना (विभिन्न तालों में विभिन्न मात्राओं से भिन्न–भिन्न प्रकार की तान एवं तिहाई बनाकर स्वर–ताल में निबद्ध करना)। अंक– 15

इकाई 5–निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण व पूर्व के पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन – अंक–30

1. पूरियाकल्याण	2. शुद्धकल्याण	3. श्यामकल्याण
4. अहीर भैरव	5. बैरागी भैरव	6. बसन्तमुखारी
7. भूपाल तोड़ी	8. बिलासखानी तोड़ी	9. गुर्जरी तोड़ी
10. श्री	11. जोग	12. देसी
13. झिंझोटी	14. मारूबिहाग	15 हंसध्वनि
16. शंकरा	17. कलावती।	

समय : 3 घण्टे	**प्रथम वर्ष** **तृतीय प्रश्न पत्र** **संगीतशास्त्र के क्रियात्मक सिद्धान्त**	पूर्णांक - 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक -40

इकाई 1– शुद्ध, छायालग, संकीर्ण राग वर्गीकरण तथा रागांग वर्गीकरण का अध्ययन। कल्याण, भैरव, तोड़ी रागांगों का विशेष अध्ययन तथा इन अंगों के अन्तर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई 2– घराने का अर्थ एवं महत्त्व। ख्याल गायन के दिल्ली, ग्वालियर, तथा आगरा घरानों का परिचय एवं उनकी गायन शैलियों का अध्ययन। तानसेन और उनके वंशजों की शिष्य परम्परा की जानकारी। सेनिया घराने का सामान्य परिचय। इमदादख़ानी सितार एवं सुरबहार का घराना एवं हाफिज़ अली खाँ के सरोद घराने का अध्ययन।

इकाई 3– विचित्र वीणा, सरोद, संतूर, बेला(वायलिन), इसराज एवं बांसुरी वाद्यों की उत्पत्ति तथा विकास का अध्ययन।

इकाई 4– स्वर–प्रस्तार, खण्डमेरु, नष्ट एवं उद्दिष्ट विधि का अध्ययन। विभिन्न प्रकार की बन्दिशों एवं गतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन। काव्य और संगीत तथा छन्द और ताल का सम्बन्ध।

इकाई 5– भारतीय संगीत के लिये आवश्यक कण्ठ–संस्कार विधि। स्वरोत्पादक यंत्र का सामान्य परिचय। श्वसन क्रिया, कण्ठ विकार के कारण एवं निदान।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

- अभिनव गीतांजलि : पं. रामाश्रय झा 'रामरंग'
- भारतीय संगीतशास्त्र : आचार्य तुलसीराम देवांगन
- संगीतांजलि भाग – 5 : पं. ओंकारनाथ ठाकुर

समय : 40 मिनट	**प्रथम वर्ष** **चतुर्थ प्रश्नपत्र** **प्रायोगिक (मौखिक)**	पूर्णांक - 300 न्यूनतम उत्तीर्णांक -120

1.निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण तथा पूर्व के पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन –

अ – निम्नलिखित आठ रागों में एक बड़ा ख़्याल या विलम्बित रचना (गत) तथा एक छोटा ख़्याल या मध्यलय की रचना (गत) का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रदर्शन–

1. पूरिया कल्याण
2. अहीर भैरव
3. मारूबिहाग
4. जोग
5. बैरागी भैरव
6. बिलासखानी तोड़ी
7. श्यामकल्याण
8. झिंझोटी

ब – निम्नलिखित रागों का सामान्य परिचय एवं मध्यलय की रचना का आलाप, तान/तोड़ों सहित प्रदर्शन –

1. शुद्धकल्याण
2. बसन्तमुखारी
3. भूपाल तोड़ी
4. गुर्जरी तोड़ी
5. श्री
6. देसी
7. हंसध्वनि
8. शंकरा
9. कलावती।

स – राग खमाज, भैरवी, पहाड़ी अथवा काफी में से किसी एक राग में ठुमरी/दादरा/टप्पा/धुन का प्रदर्शन।

1 उपर्युक्त रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद अथवा एक धमार (उपज सहित) तथा अन्य रागों में से एक तराना/त्रिवट/चतुरंग का विस्तृत गायकी सहित प्रदर्शन अथवा अपने वाद्य पर त्रिताल से पृथक अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप, तान/तोड़ों सहित वादन।

समय : 30 मिनट	**प्रथम वर्ष** **पंचम प्रश्नपत्र** **प्रायोगिक (मंच प्रदर्शन)**	पूर्णांक - 200 न्यूनतम उत्तीर्णांक -80

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनट में विलम्बित एवं मध्यलय की रचना का विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पाँच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तंत्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ठुमरी /दादरा /टप्पा / ठुमरी शैली पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

	इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय,खैरागढ़(छ.ग.) **गायन/तन्त्रीवाद्य विभाग, संगीत संकाय** **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम** **एम.पी.ए. (स्वाध्यायी)**	सत्र 2020-21 से लागू
समय - 3 घण्टे	अंतिम वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र भारतीय संगीत का इतिहास एवं शास्त्र	पूर्णांक - 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक -40

इकाई 1– श्रुति और स्वर का संबंध तथा श्रुति और स्वर पर विभिन्न ग्रंथकारों के विचार। श्रुतियों के विभिन्न नाप (प्रमाण श्रुति, उपमहती श्रुति और महती श्रुति)। भरत, शारंगदेव, रामामात्य, व्यंकटमखी और अहोबल के शुद्ध विकृत स्वरों का अध्ययन।

इकाई 2– प्रबंध की परिभाषा एवं प्रकार। प्रबंध के धातु एवं अंगों का परिचय। ध्रुपद–धमार की उत्पत्ति एवं विकास तथा ध्रुपद की बानियों एवं वर्तमान में प्रचलित परम्पराओं (दरभंगा, डागर, विष्णुपुर और हवेली) का अध्ययन। ख़्याल और वादन की शैलियों पर ध्रुपद शैली के प्रभाव का विवेचन। मध्ययुग में भारतीय संगीत पर विदेशी संगीत के प्रभाव का अध्ययन।

इकाई 3– स्वरमेलकलानिधि, राग तरंगिणी, संगीत पारिजात, चतुर्दण्डिप्रकाशिका, संगीत दर्पण एवं रागविबोध ग्रंथों का परिचय।

इकाई 4– मार्ग ताल एवं देशी ताल पद्धति का परिचय एवं ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन। कर्नाटक संगीत पद्धति के प्रमुख गीत प्रकारों का सामान्य परिचय।

इकाई 5– अष्टछाप के संत कवियों के संगीत संबंधित विषयों का परिचय। सवाई प्रताप सिंह देव, एस. एम टैगोर, पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. कुमार गन्धर्व, उस्ताद अमीर खाँ, डॉ प्रेमलता शर्मा, आचार्य बृहस्पति, पं. रविशंकर, पं. हरिप्रसाद चौरसिया एवं उस्ताद विलायत खाँ द्वारा किये गये सांगीतिक कार्यों का परिचय।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

- भारतीय संगीत का दर्शनपरक अनुशीलन : डॉ. विमला मुसलगांवकर
- संगीतमणि भाग 1 एवं 2 : डॉ. महारानी शर्मा
- भारतीय संगीत में निबद्ध : डॉ. सुभद्रा चौधरी
- संगीतांजलि भाग–4 : पं. ओंकारनाथ ठाकुर
- भारतीय संगीतशास्त्र ग्रन्थपरम्परा–एक अध्ययन : डॉ. लिपिका दासगुप्ता

समय - 3 घण्टे	अंतिम वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र निबन्ध, सांगीतिक रचना एवं राग विवरण	पूर्णांक - 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक -40

इकाई 1– न्यूनतम 600 शब्दों में संगीत विषयक निबन्ध। अंक– 25

इकाई 2– दिये गये पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग व ताल में निबद्ध करना। अंक –20

इकाई 3– पाठ्यक्रम के रागों में उच्चस्तरीय आलाप लेखन। अंक–10

इकाई 4– अंको के माध्यम से विभिन्न लयकारियों को ताललिपि में लिखने का ज्ञान/प्रचलित तालों को डेढ़ गुन (3/2), पौन गुन(3/4), सवा गुन(5/4) लयकारियों में लिखने का अभ्यास । अंक– 15

इकाई 5– निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण व पूर्व के पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन – अंक–30

1. विभास(भैरव थाट)	2. भटियार	3. गुणकली (भैरव थाट)
4. शुद्ध सारंग	5. मध्यमादि सारंग	6. गौड़ सारंग
7. मधुवंती	8. मधुकौंस	9. रागेश्री
10. जोगकौंस	11. कौंसी कान्हड़ा	12. आभोगी कान्हड़ा
13. मियां मल्हार	14. गौड़ मल्हार	15. नायकी कान्हड़ा
16. सूरमल्हार	17. सरस्वती	

समय - 3 घण्टे	अंतिम वर्ष तृतीय प्रश्न पत्र संगीतशास्त्र के क्रियात्मक सिद्धान्त	पूर्णांक - 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक -40

इकाई 1– राग–रागिनी वर्गीकरण, मेल राग वर्गीकरण एवं थाट राग वर्गीकरण का अध्ययन। रागांग वर्गीकरण के अन्तर्गत सारंग, मल्हार एवं कान्हड़ा रागांगों का अध्ययन।

इकाई 2– ख्याल गायन के जयपुर, किराना तथा पटियाला घरानों का परिचय एवं उनकी गायन शैलियों का अध्ययन। बाबा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ का सितार एवं सरोद घराना। सारंगी, बेला (वायलिन), बाँसुरी तथा शहनाई के प्रमुख वादकों का शैलीगत परिचय एवं उनका सांगीतिक योगदान।

इकाई 3– भारतीय संगीत में वृन्दगान एवं वृन्दवादन। रुद्रवीणा, सुरबहार, सितार, सारंगी एवं शहनाई वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन।

इकाई 4– सौन्दर्यशास्त्र का परिचय, कला की परिभाषा, कलाओं की संख्या और प्रकार। रस की परिभाषा व भेदों का सामान्य अध्ययन। रस और संगीत का सम्बन्ध।

इकाई 5– शोध–प्रविधि का सामान्य परिचय। अनुसंधान की परिभाषा एवं प्रक्रिया, शोध–प्रविधि का सामान्य परिचय। शोध–विषय चयन, विषय की रूपरेखा (Synopsis) एवं संन्दर्भ ग्रन्थ सूची। भारतीय संगीत में शोध की दिशाएँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

- अभिनव गीतांजलि : पं. रामाश्रय झा 'रामरंग'
- भारतीय संगीतशास्त्र : आचार्य तुलसीराम देवांगन
- संगीतांजलि भाग – 5 : पं. ओंकारनाथ ठाकुर
- सौन्दर्य, रस एवं संगीत : प्रो. स्वतंत्र शर्मा
- संगीत की अनुसंधान प्रक्रिया : डॉ. मनोरमा शर्मा
- भारतीय संगीत वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र

समय : 40 मिनट	अंतिम वर्ष चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रायोगिक (मौखिक)	पूर्णांक - 300 न्यूनतम उत्तीर्णांक -120

1. निम्नलिखित रागों का विस्तृत शास्त्रीय विवरण तथा पूर्व के पाठ्यक्रमों से समानता रखने वाले रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन –

अ. निम्नलिखित आठ रागों में एक बड़ा ख़्याल या विलम्बित रचना (गत) तथा एक छोटा ख़्याल या मध्यलय की रचना (गत) का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रदर्शन–

1. रागेश्री 2. मियाँ मल्हार 3. शुद्ध सारंग
4. जोगकौंस 5. मधुवंती 6. भटियार
7. कौंसी कान्हड़ा 8. सरस्वती।

ब – निम्नलिखित रागों का सामान्य परिचय एवं मध्यलय की रचना का आलाप, तान/तोड़ों सहित प्रदर्शन –

1. विभास(भैरव थाट) 2. गुणकली 3. मध्यमादि सारंग
4. गौड़ सारंग 5. मधुकौंस 7. आभोगी कान्हड़ा
8. गौड़ मल्हार 9. नायकी कान्हड़ा।

स – राग देस, तिलंग, अथवा पीलू में से किसी एक राग में ठुमरी/दादरा/टप्पा/धुन का प्रदर्शन।

1. उपर्युक्त रागों में से किसी एक राग में एक ध्रुपद अथवा एक धमार (उपज सहित) तथा अन्य रागों में से एक तराना/त्रिवट/चतुरंग का विस्तृत गायकी सहित प्रदर्शन अथवा अपने वाद्य पर त्रिताल से पृथक अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप, तान/तोड़ों सहित वादन।

समय : 30 मिनट	अंतिम वर्ष पंचम प्रश्नपत्र प्रायोगिक (मंच प्रदर्शन)	पूर्णांक - 200 न्यूनतम उत्तीर्णांक -80

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनट में विलम्बित एवं मध्यलय की रचना का विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पाँच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तंत्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में ठुमरी/दादरा/टप्पा अथवा ठुमरी शैली पर आधारित रचना/धुन का प्रदर्शन।